AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

फेलोशिप वालों को मिलेगी पीएचडी प्रवेश में वरीयता

लविवि के प्रस्तावित पीएचडी आर्डिनेंस में जेआरएफ व अन्य फेलोशिप को प्राथमिकता

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। किसी भी सरकारी संस्थान से फेलोशिप हासिल करने वाले मेधावियों को पीएचडी दाखिले में वरीयता मिलेगी। लविवि के प्रस्तावित पीएचडी आर्डिनेंस में जेआरएफ और अन्य फेलोशिप वाले मेधावियों को सीधे विकल्प पर विचार किया जा रहा है। सीट के मुकाबले ज्यादा आवेदन होने पर इनके बीच प्रवेश परीक्षा कराई जाएगी। साथ ही पीएचडी आर्डिनेंस के तहत महिला और दिव्यांगों को 10 साल तक की अवधि में पीएचडी थीसिस जमा करने का मौका भी दिया जा सकता है।

लविवि की डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विवि अनुदान आयोग से निर्देश मिलने के बाद पीएचडी आर्डिनेंस में बदलाव किया जा रहा है। इसके लिए समिति बनाई गई है। यूजीसी की गाइडलाइन में किसी प्रकार की फेलोशिप पाने वाले अभ्यर्थियों को सीधे दाखिला देने की बात कही गई है। इसका मकसद है कि फेलोशिप पाने वाले अभ्यर्थी दाखिले से वंचित न रहें। पीएचडी में दाखिला न मिलने पर ऐसे अभ्यर्थियों को फेलोशिप का भुगतान नहीं हो पाता है। इसे देखते हुए पीएचडी के नए आर्डिनेंस में फेलोशिप पाने वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता पर रखने की बात कही गई है। एक बड़े बदलाव के तहत पीएचडी कोर्स वर्क में अब अभ्यर्थियों को आठ के बजाय 12 क्रेडिट हासिल करने होंगे। इसके लिए कोर्स वर्क में पब्लिकेशन एथिक्स पर एक अतिरिक्त पेपर बढ़ाया जाएगा।

महिलाओं और दिव्यांगों को दस साल तक मिल सकता है पीएचडी की थीसिस जमा करने का मौका

अधिकतम अवधि में भी होगा इजाफा

लविवि में पीएचडी थीसिस जमा करने के लिए इस समय न्यूनतम अवधि तीन साल है। शोधार्थी को तीन से लेकर छह साल के बीच अपनी थीसिस जमा करनी होती है। इस अवधि में प्रसूति अवकाश व कुछ अन्य स्थितियों में एक साल तक की छूट देने का विकल्प भी मौजूद है। अब यह अवधि और भी बढ़ाई जा सकती है। नए आर्डिनेंस में दिव्यांग और महिलाओं के मामले में पीएचडी जमा करने की अधिकतम अवधि 10 साल तक करने की योजना है। पीएचडी का प्रस्तावित आर्डिनेंस तैयार होने के बाद विभिन्न शैक्षणिक समितियों से पास करने के बाद कार्य परिषद से मंजूरी के लिए रखा जाएगा। अंतिम मुहर के लिए इसे राजभवन भेजा जाएगा। राजभवन से मंजूरी मिलने के बाद ही नए पीएचडी आर्डिनेंस के हिसाब से दाखिले होंगे।

शोध मेधा छात्रवृत्ति के आवेदन 25 तक

लखनऊ। लविवि ने शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने की तिथि बढ़ा दी है। अब शोधार्थी 25 मार्च तक आवेदन कर सकते है, पहले यह तिथि 16 मार्च थी। अभिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने इसका आदेश जारी किया है।

प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अब तक इस छात्रवृत्ति के लिए 80 से अधिक आवेदन आ चुके हैं। कुछ महत्वपूर्ण परीक्षाओं के परिणाम इस सप्ताह आने वाले हैं। इसके चलते छात्राओं की सुविधा के लिए तारीख बढ़ा दी गई है। प्रो. ने बताया कि महिला शोधार्थियों को शोध में बढ़ावा देने के लिए कुलपति ने यह छात्रवृत्ति शुरू की है। इसमें महिला शोधार्थियों को हर माह पांच हजार रुपये की छात्रवृत्ति तीन वर्षों तक दी जाती है। नेट व गेट उत्तीर्ण छात्राएं ही छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकती हैं। प्रतिवर्ष 10 शोधार्थियों को इसका लाभ दिया जाता है। (संवाद)

कर्मयोगी व छात्र कल्याण छात्रवृत्ति के नाम चयनित : प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विवि की ओर से मेधावी छात्रों के लिए संचालित कर्मयोगी व छात्र कल्याण छात्रवृत्ति के आए आवेदनों में पात्र अभ्यर्थियों के नामों का चयन कर लिया गया है। अगले सप्ताह इनकी सूची जारी कर दी जाएगी। इसके बाद छात्रों को छात्रवृत्ति मिलनी शुरू हो जाएगी। (संवाद)

अब 54 केंद्रों पर होगी बीएड की परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएड परीक्षा के केंद्रों की संख्या बढ़ाकर अब 54 कर दी है। इसके साथ ही 17 नोडल केंद्र भी बनाए गए हैं।

बीएड के लिए इससे पहले चार फरवरी को 39 परीक्षा केंद्रों की प्रस्तावित सूची जारी की गई थी। अब इसमें बदलाव कर दिया गया है। पूरी सूची विवि की वेबसाइट पर मौजूद है। इसके साथ ही विवि ने वीवीके सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और बीए-बीएससी योगा के परीक्षा कार्यक्रम भी जारी कर दिए हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

भाषा विवि : सेमेस्टर परीक्षाओं के परिणाम इसी सप्ताह

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में बीटेक विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं के परिणाम इसी सप्ताह के अंत तक जारी किए जा सकते है। जबकि अन्य परीक्षाओं के परिणाम भी इसी माह के अंत तक जारी कर दिए जाएंगे। परीक्षा नियंत्रक भावना मिश्रा ने बताया कि 28 फरवरी को समाप्त हुई सभी परीक्षाओं की मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। होली के अवकाश की वजह से परीक्षा परिणामों को उस बीच जारी नहीं किया जा सका। एक-दो दिन में यह कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि हमारा प्रयास है कि मई में सम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू करा दें। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि ने पास किया 132 करोड़ के घाटे का बजट

माई सिटी रिपोर्टर

वित्त समिति की बैठक में पास किया गया सालाना बजट, मुश्किल होगी भरपाई

लखनऊ। नैक ए प्लस-प्लस की ग्रेडिंग वाले लखनऊ विश्वविद्यालय को करीब 132 करोड़ रुपये घाटे का बजट पास करना पड़ा है। अब विवि के सामने इस घाटे की भरपाई करने की चुनौती होगी। विवि में बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में वित्त समिति की बैठक में वर्ष 2023-24 के बजट पर मुहर लगी।

बजट के अनुसार, सम्भावित प्राप्तियां (आय) 22332.88 लाख रुपये और सम्भावित व्यय रुपये 35602.95 लाख रुपये होंगे। इस तरह से करीब 132 करोड़ रुपये घाटे का बजट है। इसको पूरा करने के लिए लविवि के पास नए पाठ्यक्रमों का संचालन और परीक्षा शुल्क में बचत का ही विकल्प है। लविवि के पास कुल बजट की 67.23 प्रतिशत राशि वेतन आदि मद पर खर्च होनी है। निर्माण तथा वार्षिक अनुरक्षण, बिजली के बिलों का भुगतान, जलकर, गृहकर, पुस्तकालय, प्रवेश तथा परीक्षा संचालन, छात्र सुविधाओं एवं अन्य व्ययों के लिए 11666.00 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है, जोकि कुल बजट का 32.77 प्रतिशत है। प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कला एवं शिल्प महाविद्यालय का वित्तीय वर्ष 2023-24 का 1080.47 लाख रुपये का व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया। जिसमें शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारियों पर होने वाला सम्भावित व्यय 968.80 लाख है, जोकि कुल व्यय का 89.67 प्रतिशत है। इसके अलावा बिजली बिलों का भुगतान जलकर, गृहकर, एनपीएस एवं अन्य व्यय पर 111.67 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : बीटेक, बीसीए व एमसीए पाठ्यक्रम में होगा बदलाव

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति और इंडस्ट्री की मांग के अनुसार तैयार हो रहा कंटेंट
- छात्र-छात्राओं को मिलेगी एंट्री और एक्जिट की सुविधा

जासं, लखनऊ : लवि अपने बीटेक, बीसीए व एमसीए पाठ्यक्रम में बदलाव करेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत होने वाले इस बदलाव में इंडस्ट्री के एक्सपर्ट को शामिल करके बाजार की मांग के अनुसार कोर्स कंटेंट तैयार किया जा रहा है। इसमें क्रेडिट और नान क्रेडिट दोनों सिस्टम होंगे। खास बात यह भी है कि पहली बार बीटेक में एंट्री और एक्जिट की सुविधा भी दी जाएगी। यानी विद्यार्थी जब भी कोर्स से बाहर होना चाहे तो उसे प्रमाण पत्र, डिप्लोमा या डिग्री मिल सके। इस महीने कोर्स को लेकर बैठक प्रस्तावित है।

लवि के द्वितीय परिसर में इंजीनियरिंग संकाय स्थापित है। यहां बीटेक, एमसीए सहित कई पाठ्यक्रम संचालित हैं। संकाय के डीन प्रोफेसर एके सिंह ने बताया कि हुए बीटेक, बीसीए व एमसीए के कोर्स को इंडस्ट्री और कौशल आधारित तैयार किया जाएगा। इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति को ध्यान में रखते व्यवस्था लागू होगी। कोर्स ऐसा बनाया जा रहा है कि उसे पढ़कर निकलने वाले विद्यार्थी समाज को लाभ पहुंचा सकें। अभी तक बीटेक का कोर्स चार साल में पूरा करना होता है। अब इसमें मल्टिपल एंट्री व एक्जिट की सुविधा भी मिलेगी। एक साल की पढ़ाई पर प्रमाण पत्र, दो साल में डिप्लोमा, तीन साल में एडवांस डिप्लोमा और चार साल में डिग्री प्राप्त कर सकेंगे।

लवि : ₹132 करोड़ घाटे का बजट पास

23936.95

तास विश्वविद्यालय, कर्मचारियों के वेतन पर खर्च होंगे, वित्त समिति की बैठक में मंजूर किया गया सत्र 2023-24 का बजट

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई वित्त समिति की बैठक में सत्र 2023-24 का बजट प्रस्तुत किया गया। इस बार भी आय से ज्यादा व्यय को देखते हुए घाटे का बजट पास हुआ है। इसमें संभावित आय 22332.88 लाख रुपये और व्यय 35602.95 लाख रुपये बताया गया है। बजट में मुख्य रूप से प्रशासनिक, शिक्षक व शिक्षणेतर कर्मचारियों के वेतनादि पर करीब 23936.95 लाख रुपये खर्च होंगे, जोकि कुल बजट का 67.23 प्रतिशत है।

प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि वर्ष 2023-24 के बजट में विश्वविद्यालय के श्रोतों से प्राप्त होने वाली आय करीब 223 करोड़ 32 लाख 88 हजार रुपये होगी। वहीं, कुल खर्च 35602.95 लाख रुपये अनुमानित है। उन्होंने बताया कि अवस्थापना सुविधा के लिए निर्माण तथा वार्षिक अनुरक्षण, बिजली के बिलों का भुगतान, जलकर, गृहकर, पुस्तकालय, प्रवेश तथा परीक्षा संचालन, छात्र सुविधाओं एवं अन्य व्ययों के लिए इस बार 11666.00 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है, जोकि कुल बजट का 32.77 प्रतिशत है। लवि से सम्बद्ध कला एवं शिल्प महाविद्यालय का वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 1080.47 लाख रुपये का व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया। इसमें शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारियों पर होने वाला संभावित व्यय 968.80 लाख है, जोकि कुल व्यय का 89.67 प्रतिशत है। इसके अलावा बिजली बिलों का भुगतान जलकर, गृहकर, एनपी एस एवं अन्य व्यय पर 111.67 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

द्वितीय कैंपस के नए हास्टल की फीस तय

लवि ने द्वितीय परिसर में छात्राओं के लिए नए हास्टल का निर्माण कराया है। तुलसीपुर संजय मेघाणी ने बताया कि इस हास्टल की फीस अन्य छात्रावासों के अनुसार ही करीब 24 हजार रुपये सालाना तय की गई है। इसके अलावा बैठक में अटल सुशासन पीठ के व्यय संबंधी नई नियमावली भी मंजूर कर ली गई है।

बीबीएच साफ्टवेयर डेवलपमेंट की परीक्षा 21 से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीबीएच सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, बीए और बीएससी योग पाठ्यक्रम की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया। बीबीएच साफ्टवेयर डेवलपमेंट एनईपी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 मार्च से शुरू होंगी। बीए-बीएससी योग तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 23 मार्च से तीन अप्रैल तक चलेंगी। छात्र-छात्राएं इन परीक्षाओं की डेटशीट विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in से डाउनलोड कर सकते हैं। (जासं)

लवि : शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन अब 25 तक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने महिला शोधार्थियों को शोध में और आगे ले जाने के मकसद से शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। अब 25 मार्च तक चाहिवाली कक्षा मूलत वर्क के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। कुलपति प्रो. अलोकाधार छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया। शोध मेधा के अंतर्गत 3 वर्ष महिला शोधार्थियों को 5000 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाने की है। जिन्हें किसी अन्य स्रोत से वित्तीय मदद अथवा छात्रवृत्ति न मिल रही है। (जासं)

17 नोडल सेंटर, 53 परीक्षा केन्द्र निर्धारित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से बीएड परीक्षा के लिए बुधवार को जारी अन्य परीक्षा केन्द्रों की सूची जारी कर दी गई है। जारी सूची के मुताबिक इस बार 17 नोडल सेंटर बनाये गये हैं जबकि 53 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा लखनऊ, लखीमपुर खीरी, हरदोई, सीतापुर, उन्नावजिलों में बनाये गये हैं। परीक्षा केन्द्रों की पूरी सूची की सूची भी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है ताकि किसी भी परीक्षार्थी को परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि बीएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू होंगी। उसमें सेमेस्टर में पहला पेपर 27 मार्च को, दूसरा पेपर 29 मार्च, तीसरा पेपर 1 अप्रैल को और चौथा पेपर 4 अप्रैल को होगा। जबकि थर्ड सेमेस्टर में पहला पेपर 29 मार्च को होगा। दूसरा पेपर 31 मार्च और तीसरा पेपर 3 अप्रैल को आयोजित होगा।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: नए छात्रावास की फीस नहीं बढ़ेगी

राहत

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में नवीन परिसर के नए छात्रावास की फीस अन्य छात्रावासों के बराबर करने यानी न बढ़ाने और अटल सुशासन पीठ के व्यय संबंधी नियमों में कुछ बदलावों को बुधवार को मंजूरी दी गई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में वित्त समिति की बैठक में वर्ष 2023-24 के बजट पर मुहर लगाई गई।

नैक ए प्लस-प्लस की ग्रेडिंग वाले विश्वविद्यालय को करीब 132 करोड़ रुपये घाटे का बजट पास करना पड़ा है। अब विवि के सामने इस घाटे की भरपाई करने की चुनौती होगी। बजट के अनुसार सम्भावित प्राप्तियां (आय) रुपये 22332.88 लाख और सम्भावित व्यय रुपये 35602.95 लाख रुपये होंगे। इस तरह से करीब 132 करोड़ रुपये घाटे का बजट है। इसको पूरा करने के लिए लविवि के पास नए पाठ्यक्रमों का संचालन व परीक्षा शुल्क में बचत का विकल्प है। अब विवि के सामने इस घाटे की भरपाई करने की चुनौती होगी। बजट के अनुसार सम्भावित प्राप्तियां (आय) रुपये 22332.88 लाख और सम्भावित व्यय रुपये 35602.95 लाख रुपये होंगे। इस तरह से करीब 132 करोड़ रुपये घाटे का बजट है। इसको पूरा करने के लिए लविवि के पास नए पाठ्यक्रमों का संचालन व परीक्षा शुल्क में बचत का विकल्प है। एलयू के बजट की 67.23 प्रतिशत राशि वेतन आदि पर खर्च होगी है।

> न्यू कैम्पस के नए छात्रावास की फीस तय हुई। अटल सुशासन पीठ के नियमों में बदलावों को मंजूरी देने के साथ ही पूर्ण बजट पेश हुआ। जिसे वित्तीय समिति ने मंजूरी दी। संजय मेघाणी, कुलसचिव, लखनऊ विश्वविद्यालय

आर्ट्स कॉलेज का बजट पेश हुआ

कला एवं शिल्प महाविद्यालय का वित्तीय वर्ष 2023-24 का 1080.47 लाख रुपये का बजट पेश किया गया। इसमें शिक्षक और कर्मचारियों आदि के वेतन पर 968.80 लाख रुपये खर्च होने हैं।

PIONEER PAGE 4

कालेजों में प्रवेश से पूर्व छात्रों को कराना होगा एलयू में रजिस्ट्रेशन

- **यूनिवर्सिटी ने 2023-24 के बजट का दिया अनुमोदन, आय 22332.88 लाख और सम्भावित व्यय 35602.95 लाख पर लगी मोहर**

लखनऊ। अगले चार शैक्षणिक सत्र 2023-24 में लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कालेजों में प्रवेश लेने को बेट जोर रहे छात्रों के अभिभावकों को जेब ढीली होने वाली है। बुधवार को विवि में सम्पन्न हुई वित्त समिति की बैठक में विवि की तरफ से आय 22332.88 लाख और सम्भावित व्यय 35602.95 लाख रुपए के बजट पर अनुमोदन दिया गया। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वित्त समिति की बैठक में वर्ष 2023.24 के बजट को प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुत किये गये बजट के अनुसार सम्भावित प्राप्तियाँ (आय) 22332.88 लाख और सम्भावित व्यय 35602.95 लाख के प्रस्ताव पर अनुमोदन दिया गया। उक्त व्यय में मुख्य रूप से प्रशासनिक/शिक्षक/शिक्षणेतर कर्मचारियों के वेतनादि पर होने वाला सम्भावित व्यय 23936.95 लाख है जोकि कुल बजट का 67.23 प्रतिशत है। उक्त के अतिरिक्त अवस्थापना सुविधा हेतु निर्माण तथा वार्षिक अनुरक्षण, बिजली के बिलों का भुगतान, जलकर, गृहकर, पुस्तकालय, प्रवेश तथा परीक्षा संचालन, छात्र सुविधाओं एवं अन्य व्ययों हेतु 11666.00 लाख मात्र का प्रावधान किया गया है, जोकि कुल बजट का 32.77 प्रतिशत है। उक्त के अतिरिक्त लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कला एवं शिल्प महाविद्यालय का वित्तीय वर्ष 2023.24 का 1080.47 लाख का व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया। जिसमें शिक्षक/शिक्षणेतर कर्मचारियों पर होने वाला सम्भावित व्यय 968.80 लाख है, जोकि कुल व्यय का 89.67 प्रतिशत है। उक्त के अतिरिक्त बिजली के बिलों का भुगतान जलकर, गृहकर, एनपीएस एवं अन्य व्यय 111.67 लाख मात्र का प्रावधान किया गया है, जोकि कुल व्यय का 10.33 प्रतिशत है। कला एवं शिल्प महाविद्यालय को राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान को सम्मिलित करते हुए कुल प्राप्तियाँ 150.29 लाख सम्भावित है।

कालेजों में दाखिले से पूर्व छात्रों को कराना होगा रजिस्ट्रेशन

विवि समिति की बैठक में कालेजों में प्रवेश के इच्छुक छात्रों से मन टाइम शुल्क लेने को अनुमोदन दिया गया। इसके अंतर्गत कालेजों में प्रवेश से पूर्व छात्रों को यूनिवर्सिटी के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। जिसमें छात्रों को अपने नाम, पते, मोबाइल नंबर आदि देने होंगे। रजिस्ट्रेशन के लिए छात्रों को 100 रुपए अतिरिक्त शुल्क देने होंगे। रजिस्ट्रेशन होने के बाद उसका प्रिंट आउट छात्रों को कालेज में प्रवेश के समय जमा कराना होगा। इस बारे में विवि के शिक्षकों का कहना है कि अभी तक यूनिवर्सिटी को कालेजों के छात्रों के बारे में जानकारी परीक्षा फार्म भरने के आधार पर ही होती थी। यह भी पूरी नहीं होती थी। अब इस व्यवस्था से पहचानना के माध्यम ही यूनिवर्सिटी के पास यह डेटा होगा कि कौन वह छात्र किस कालेज में है। या फिर फार्म कालेज में यूनिट्रेस की संख्या हमारी है। इसके अलावा बैठक में अटल सुशासन पीठ की नयी नियमावली को मंजूरी दी गयी।

मंगा होस्टल का शुल्क 24 हजार निर्धारित

नवीन परिसर में नवनिर्मित गंगा अलका बिजली बिलों का भुगतान जलकर, गृहकर, एनपी एस एवं अन्य व्यय पर 111.67 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

नवीन परिसर और ओल्ड परिसर में बनेंगे अंडरग्राउंड वॉटर टैंक

नवीन परिसर और ओल्ड परिसर में अंडरग्राउंड वॉटर टैंक के प्रस्ताव को बैठकी ने हरी झंडी दे दी है। इसके लिए 75-75 लाख रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। इसके अलावा नवीन परिसर में एक गेट के निर्माण को भी अनुमोदन दिया गया है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में 2023-24 का बजट प्रस्तुत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

तैयारी

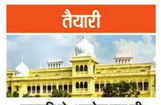

- कुलपति प्रो. आलोक राय की अध्यक्षता में वित्त समिति की हुई बैठक

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में वित्त समिति की बैठक हुई। इस बैठक में सत्र 2023-24 के बजट को प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुत किये गये बजट के अन्तर्गत सम्भावित प्राप्तियां (आय) 22332.88 लाख और सम्भावित व्यय 35602.95 लाख है।

व्यय में मुख्य रूप से प्रशासनिक, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारियों के वेतन पर होने वाला सम्भावित व्यय 23936.95 लाख है, जोकि कुल बजट का 67.23 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त अवस्थापना सुविधा के लिए निर्माण और वार्षिक अनुरक्षण, बिजली के बिलों का भुगतान, जलकर, गृहकर, पुस्तकालय, प्रवेश तथा परीक्षा संचालन, छात्र सुविधाओं एवं अन्य व्ययों के लिए 11666.00 लाख प्रविधान किया गया है, जोकि कुल बजट का 32.77 प्रतिशत है।

कुलपति ने प्रोफेसर आलोक राय ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कला एवं शिल्प महाविद्यालय का वित्तीय वर्ष 2023-24 का 1080.47 लाख का व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया, जिसमें शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारियों पर होने वाला सम्भावित व्यय 968.80 लाख है, जोकि कुल व्यय का 89.67 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त बिजली के बिलों का भुगतान जलकर, गृहकर, एन.पी. एस. एवं अन्य व्यय 111.67 लाख का प्राविधान किया गया है, जोकि कुल व्यय का 10.33 प्रतिशत है। कला एवं शिल्प महाविद्यालय को राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान को सम्मिलित करते हुए कुल प्राप्तियां 150.29 लाख सम्भावित है।

TOI PAGE 3

LU to revive distance learning courses to meet budget deficit

₹223Cr Income Against ₹356Cr Expenditure

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University will revive its distance learning courses almost after over two decades and will offer full-time online degree courses to meet a deficit of Rs 132.70 crore in its annual budget.

LU's finance committee approved the University's annual budget for 2023-24 during a meeting held on Wednesday.

As per the budget approved by the committee, LU's estimated revenue is Rs 223.32 crore far short of the Rs 356.02 crore expenditure. The main source of income in LU's budget is self-financed courses, examination fees, government and other grants.

Self-financed courses alone help LU in pooling Rs 86 crore while earnings from examinations, grants and others are estimated to be over Rs 50 crore and from government grants it is around Rs 50 crore.

In comparison, expenditure is pegged at Rs 356.02 crore, including a whopping Rs 239.36 crore being salary expense while the remaining expenditure of Rs 116.66 (32.77%) has been made for infrastructure construction and annual maintenance, payment of electricity bills, water tax, house tax, library, admission and examination operations, student facilities and other expenses.

"Our highest expenditure is mainly on the salaries of staff which is 67.23% alone of the total budget. The state government gives only Rs 48 crore to the university for paying salaries," said a senior official.

He said that there is an issue with the grants received from the government.

"While on paper, we get Rs 48 crore for paying salaries, but the grant released by the government is Rs 38 crore only. We have raised this issue with the government several times, but it is yet to be addressed," he said.

LU's cash crunch started two decades ago when the state government froze salary grants at the 1998 level (Rs 16 crore). The increase in salary expenses in the following years was met by starting new self-financed courses and granting affiliation to self-financed colleges. The government increased the grant to Rs 48 crore, but expenses increased by five times in two decades.

To resolve the crunch, the state government increased the university's jurisdiction in the year 2020 by affiliating colleges in Hardoi, Raebareli, Sitapur, and Lakhimpur districts with LU taking the total number of affiliated colleges from 180 to 545.

Lucknow Univesity vice-chancellor Prof AK Rai said, "For the last three years we have been facing a deficit of around Rs 115 crore in our budget. We will try and reduce our expenses by adopting austerity measures and exploring more sources of revenues."

In 2002, the then vice-chancellor Prof SB Singh announced the launch of the Institute of Distance and Continuing Education on LU campus.

Institute offered three types of courses and programmes, BA (regular) in economics, education, English, Hindi, history, political science and sociology and BCom courses. They could not continue as there were few enrollments.

Times View

The idea of starting a distance education courses sounds good, but LU will have to take lessons from the past when a similar endeavour failed for want of required students. Besides traditional subjects, LU can offer new interdisciplinary courses not available elsewhere and ensure that quality of study material is better than existing distant education institutions. LU can use its online learning platform - SLATE - and upload lectures by teachers on their department's YouTube channel to score over others.